नई दिल्ली, बुधवार
12 दिसंबर 2018
गाजियाबाद
मूल्य ₹ 4.00
पृष्ठ 22+6=28

दैनिक जागरण

www.jagran.com
दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

जमाल खशोगी बने 'टाइम पर्सन ऑफ द ईयर' 15

आइसीसी टेस्ट रैंकिंग में पुजारा चौथे नंबर पर 18

आवास विकास के फ्लैटों को लगेंगे पंख

सिद्धार्थ विहार

जागरण संवाददाता, साहिबाबादः प्रताप विहार में अवैध डंपिंग ग्राउंड पर कूड़ा डालने पर 31 दिसंबर से रोक के आदेश का यहां के लोगों ने स्वागत किया है। उधर डंपिंग ग्राउंड यहां से हटता है तो आवास विकास परिषद की योजना को रफ्तार मिलना तय माना जा रहा है। गंगा, यमुना, हिंडन और ब्रह्मपुत्र एंक्लेव के फ्लैट बिकने के आसार हैं। वहीं निजी रियल एस्टेट डेवलपरों ने भी इस फैसले का स्वागत किया है। रोक का सबसे बड़ा लाभ यहां फ्लैट लेने वाले करीब चार हजार लोगों को होगा। गंगा, यमुना, हिंडन और ब्रह्मपुत्र एंक्लेव के करीब तीन हजार फ्लैट धारकों के लिए यह राहत भरी खबर है।

आविप के करीब दो हजार फ्लैट खाली: गंगा, यमुना और हिंडन एंक्लेव के करीब एक हजार और ब्रह्मपुत्र एंक्लेव के हजार फ्लैट योजना में खाली हैं। गंगा, यमुना और हिंडन एंक्लेव का रजिस्ट्रेशन छह बार से अधिक खोला गया है लेकिन फ्लैटों के खरीदार नहीं मिल रहे हैं। इसका एक बड़ा कारण योजना के पास ही बना अवैध डंपिंग ग्राउंड है। इतना ही नहीं ब्रह्मपुत्र एंक्लेव के भी करीब पांच सौ आवंटियों ने डंपिंग ग्राउंड के चलते रिफंड मांग लिया है। ऐसे में यह फ्लैट भी खाली हो गए हैं। आविप की दो योजनाओं के अलावा सिद्धार्थ विहार में छह से अधिक निजी बिल्डरों के प्रोजेक्ट हैं। बिल्डरों की मानें तो डंपिंग ग्राउंड के चलते उनके प्रोजेक्ट के फ्लैट बिकने में परेशानी आती थी।

सिद्धार्थ विहार अपनी कनेक्टिविटी और इंफ्रास्ट्रक्चर से एक प्राइम लोकेशन बनकर उभरा है लेकिन डंपिंग ग्राउंड इस पर एक ग्रहण की तरह था। डंपिंग ग्राउंड को लेकर इस फैसले का हम स्वागत करते हैं। क्षेत्र के विकास के लिए यह एक उचित कदम है। – मनोज गौड़, एमडी, गौड़ ग्रुप और वाइस प्रेसिडेंट, क्रेडाई नेशनल